02-नवम्बर-2024 से 08-नवम्बर-2024

जिंसों का घूमता आइना-चीनी

(02-नवम्बर-2024 से 08-नवम्बर-2024)

चीनी के स्टॉक का खुलासा करने का आदेश सरकार ने वापस लिया
कम उत्पादन के बावजूद चीनी का बकाया स्टॉक बढ़ने की उम्मीद
चालू सीजन में चीनी की मांग एवं आपूर्ति की स्थिति जटिल रहने की संभावना
चीनी की 20 प्रतिशत पैकिंग जूट बोरियों में करने का निर्देश
महाराष्ट्र में गन्ना की क्रशिंग देर से शुरू करने की चेतावनी
सामान्य कोटा आने से चीनी के दाम में नरमी की संभावना कम

साप्ताहिक समीक्षा-चीनी

नई दिल्ली। दीपावली सहित अन्य पर्व-त्यौहारों की मांग पूरी होने के बाद 2 से 8 नवम्बर वाले सप्ताह के दौरान चीनी के दाम में थोड़ी गिरावट आ गयी। नवम्बर 2024 के लिए 22 लाख टन चीनी का घरेलू बिक्री का कोटा नियत किया गया है जो अक्टूबर के कोटा 25.50 लाख टन से 3.50 लाख टन कम होने के बावजूद चालू माह की मांग एवं खपत को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है।

मिल डिलीवरी

समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान चीनी का मिल डिलीवरी भाव पूर्वी उत्तर प्रदेश में 45 रुपए , पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 रुपए, पंजाब में 40 रुपए तथा मध्य प्रदेश में 10 रुपए प्रति क्विंटल नरम रहा मगर बिहार में 30 रुपए बढ़कर 3901/3910 रुपए प्रति क्विंटल हो गया। गुजरात में चीनी के एक्स-मिल भाव में 10 से 35 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गयी।

हाजिर बाजार

2-8 नवम्बर के दौरान चीनी का हाजिर भाव दिल्ली में 4150/4270 रुपए प्रति क्विंटल तथा इंदौर में 3951/4051 रुपए पटती क्विंटल पर स्थिर रहा मगर रायपुर (छत्तीसगढ़) में 20-25 रुपए गिरकर 3930/4000 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया।

मुंबई (वाशी) मार्किट में चीनी की कीमत 20 रुपए की गिरावट के साथ 3680/3880 रुपए प्रति क्विंटल पर सिमटी और नाका पोर्ट डिलीवरी मूल्य भी 20 रुपए गिरकर 3630/3830 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। महाराष्ट्र में चीनी के टेंडर मूल्य में उतार-चढ़ाव देखा गया लेकिन यह असर 5 से 15 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहा। लेकिन कर्नाटक में चीनी के टेंडर मूल्य में 50 से 95 रुपए प्रति क्विंटल तक की अच्छी बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। उधर कोलकाता में चीनी का हाजिर भाव स्थिर रहा।

गन्ना की क्रशिंग एवं चीनी के उत्पादन का नया मार्केटिंग सीजन 1 अक्टूबर से ही औपचारिक तौर पर आरम्भ हो चुका है मगर महाराष्ट्र में क्रशिंग 15 नवम्बर से शुरू करने की अनुमति दी गयी है। घरेलू प्रभाग में चीनी की आपूर्ति एवं उपलब्धता की स्थिति सुगम बनी हुई है। शीघ्र ही शादी-विवाह का सीजन आरम्भ होने वाला है जिसमें चीनी की मांग बढ़ सकती है। गुड़ के नए माल की आवक शुरू होने से चीनी की खपत पर भार घट सकता है। इसे देखते हुए आगामी समय में चीनी के दाम में भारी उतार-चढ़ाव आने की उम्मीद नहीं हैं।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

SUGAR (PRICE IN RS. /QTL- ARRIVAL IN QTL)

STATIONS	GRD	2-Nov	4-Nov	5-Nov	6-Nov	7-Nov	8-Nov
U.P.MILL (EAST)+D		HOLIDAY	4045	4030	4030	4028	4000
U.P. MILL(WEST)+D		HOLIDAY	4040/4040	3700/4011	3700/4011	3700/4030	3690/3935
PUNJAB MILL DELIV.(DP)		HOLIDAY	3950/4171	3950/4161	3950/4151	3950/4151	3941/4131
MP MILL DELIV.(DP)		HOLIDAY	3660/3780	3660/3780	3660/3780	3660/3780	3650/3770
BIHAR MILL DELIV.(+DP)		HOLIDAY	NO SALE	3900/4021	3900/4021	3900/4050	3901/3910
GUJRATMILL DELIVERY(D P	S	HOLIDAY	3581/3661	3581/3661	3581/3661	3581/3661	3581/3661
	SS	HOLIDAY	3641/3735	3641/3735	3641/3720	3641/3700	3641/3700
	M	HOLIDAY	3671/3761	3641/3761	3640/3761	3631/3751	3631/3751
	L	HOLIDAY	3691/3731	3691/3731	3691/3731	3691/3731	3691/3731
DELHI HAZIR		HOLIDAY	4170/4300	4150/4270	4150/4270	4150/4270	4150/4270
INDORE HAZIR	S	HOLIDAY	3951	3951	3951	3951	3951
	SS	HOLIDAY					
	M	HOLIDAY	4051	4051	4051	4051	4051
	L	HOLIDAY					
RAIPUR HAZIR	S	HOLIDAY	3950	3930	3930	3930	3930
	SS	HOLIDAY	3975	3950	3950	3950	3950
	M	HOLIDAY	4025	4000	4000	4000	4000
	L	HOLIDAY					
MUM.VASHI	S	HOLIDAY	3700/3800	3680/3780	3680/3780	3680/3780	3680/3780
	M	HOLIDAY	3800/3900	3780/3880	3780/3880	3780/3880	3780/3880
NAKA PORT DELIVERY	S	HOLIDAY	3650/3750	3630/3730	3630/3730	3630/3730	3630/3730
	M	HOLIDAY	3750/3850	3730/3830	3730/3830	3730/3830	3730/3830
MAHARASTRA SUGAR TEN	S	HOLIDAY	3510/3555	3482/3575	3490/3545	3455/3575	3475/3570
	SS	HOLIDAY	3525/3565	3480/3600	3525/3570	3520/3593	3525/3560
	M	HOLIDAY	3575/3720	3600/3670		3610/3675	3585/3705
	L	HOLIDAY					
KARNATAKA SUGAR TENDE	S	HOLIDAY	3510/3565		3510	3500/3530	3510/3660
	SS	HOLIDAY	3515		3510/3550	3510/3565	3510/3530
	M	HOLIDAY	3570/3640		3570/3670	3570/3640	3570/3700
	L	HOLIDAY					
KOLKATA	S	HOLIDAY	4050	4050	4050	4050	4050
	SS	HOLIDAY	4090/4100	4090/4100	4090/4100	4090/4100	4090/4100
	M	HOLIDAY	4140/4150	4140/4150	4140/4150	4140/4150	4140/4150

Prices in 4 Metros and Ranchi

Daily Retail Prices (□ /kg) in 4 Metros and Ranchi										
Cereals & Sugar	Delhi		Mumbai		Kolkata		Chennai		Ranchi	
	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)	08/11/2024 (Latest)	08/11/2023 (1 Year Back)
Rice	40	39	46	40	NR	48	58	63	43	43
Wheat	30	30	44	48	NR	NR	44	46	37	36
Atta (Wheat)	34	33	48	52	NR	35	44	45	38	35
Sugar	45	45	48	47	NR	48	44	43	45	48

चीनी के स्टॉक का खुलासा करने का आदेश सरकार ने वापस लिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिसम्बर 2023 में चीनी के व्यापारियों पर लगाए गए स्टॉक खुलासा आदेश (स्टॉक डिस्क्लोजर ऑर्डर) को यह कहते हुए वापस ले लिया है कि घरेलू प्रभाग में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति एवं उपलब्धता को देखते हुए अब इसे लागु रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। सभी प्रांतीय सरकारों को एक भेजे एक पत्र में केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि यह पाया गया है कि देश में समूचे वर्ष की घरेलू मांग एवं जरूरत को पूरा करने लायक चीनी का समुचित स्टॉक उपलब्ध है राष्ट्रिय स्तर पर चीनी की आपूर्ति उपलब्धता एवं कीमतों की गहन समीक्षा करने के बाद सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि स्टॉक खुलासा आदेश को जारी रखना अब जरूरी है।

खाद्य मंत्रालय के अनुसार इस आदेश के तहत चीनी के व्यापारियों / डीलर्स, थोक विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला वाले रिटलर्स तथा प्रोसेसर्स को साप्ताहिक आधार पर अपने स्टॉक की सूचना निश्चित सबसे देनी पड़ती थी मगर अब इसकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि तत्काल प्रभाव से इस आदेश को वापस ले लिया गया है।

इसके साथ-साथ मंत्रालय ने राज्यों को सूचित किया है कि देश में चीनी के मूल्य, उत्पादन एवं स्टॉक (उपलब्धता) की समीक्षा नियमित समयांतराल पर की जाएगा। उल्लेखनीय है कि सितम्बर 2024 में ऑल इण्डिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (ए आई एस टी ए) ने केंद्रीय खाद्य मंत्रालय को पत्र भेजकर चीनी के स्टॉक डिस्क्लोजर ऑर्डर को तत्काल समाप्त करने का आग्रह किया था लेकिन अक्टूबर में पर्व त्यौहारों की लम्बी श्रृंखला को देखते हुए सरकार ने इसे उस समय स्वीकार नहीं किया था। त्योहारों का सीजन अब समाप्त हो चूका है और गन्ना की क्रशिंग तथा चीनी के उत्पादन का सीजन आरम्भ हो गया है इसलिए सरकार ने एसोसिएशन की उस मांग को स्वीकार करते हुए आरम्भ हो गया है इसलिए सरकार ने एसोसिएशन की उस मांग को स्वीकार करते हुए अपना आदेश वापस ले लिया है। लम्बे समय से चीनी का घरेलू बाजार मूल्य भी एक अपना आदेश वापस ले लिया है लम्बे समय से चीनी का घरेलू बाजार मूल्य भी एक निश्चित सिमा में थोड़े -बहुत उतार-चढ़ाव के साथ लगभग स्थिर बना हुआ है त्यौहारी सीजन के दौरान भी चीनी की कीमतों में जोरदार उछाल नहीं आया।

शीर्ष उद्योग संस्था- इस्मा ने अपने प्रथम अग्रिम अनुमान मे 2024-25 सीजन के दौरान में 293 लाख टन चीनी (एथनॉल में इस्तेमाल होने के बाद) का उत्पादन होने की संभावना व्यक्त की है जो कुल संभावित घरेलू खपत 293 लाख टन से 3 लाख टन ज्यादा है।

कम उत्पादन के बावजूद चीनी का बकाया स्टॉक बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। शीर्ष उद्योग संस्था - इंडियन शुगर एंड बायो एनर्जी मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) ने कहा है कि 2023-24 की तुलना में 2024-25 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन (अक्टूबर-सितम्बर) के दौरान चीनी का कुल घरेलू उत्पादन 340.64 लाख टन से घटकर 333 लाख टन पर सिमट सकता है जबकि एथनोल निर्माण में इसका उपयोग 21 लाख टन से बढ़कर 40 लाख टन पर पहुँचने के आसार हैं लेकिन इसके बावजूद मार्केटिंग सीजन के अंत में चीनी का बकाया अधिशेष स्टॉक 3 लाख टन बढ़ने की उम्मीद है।

इस्मा की रिपोर्ट के मुताबिक चालू मार्केटिंग सीजन के आरम्भ में उद्योग के पास 84.79 लाख टन चीनी का स्टॉक मौजूद था जबकि 333 लाख टन के उत्पादन के साथ इसकी कुल उपलब्धता 417.79 लाख टन पर पहुंचेगी। इसमें 290 लाख टन चीनी का घरेलू उपयोग होगा और 40 लाख टन का इस्तमाल एथनोल निर्माण के लिए होने का अनुमान है। इस तरह कुल 330 लाख टन की चीनी की खपत होगी जबकि इसका उत्पादन इससे 3 लाख टन ज्यादा यानी 333 लाख टन होगा। यह 3 लाख टन का उत्पादन बकाया अधिशेष स्टॉक में जुड़ेगा और इसलिए 2024-25 सीजन के अंत में चीनी का कुल स्टॉक बढ़कर 87.79 लाख टन पर पहुंच जाएगा।

इस्मा के अनुसार पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर गन्ना के बिजाई क्षेत्र में कुछ गिरावट आई है और महाराष्ट्र सहित कुछ राज्यों में फसल को भारी वर्षा एवं बाढ़ से नुकसान भी हुआ है। लेकिन बची हुई फसल के गन्ना से चीनी की औसत रिकवरी दर बेहतर होने की उम्मीद है इसलिए कुल उत्पादन में सीमित गिरावट आएगी।

चालू सीजन में चीनी की मांग एवं आपूर्ति की स्थिति जटिल रहने की संभावना

नई दिल्ली। सरकारी स्तर पर उत्पादन एवं उपयोग के बारे में लगाए गए अनुमान के आधार पर कहा जा सकता है कि चालू मार्केटिंग सीजन के दौरान घरेलू प्रभाग में चीनी की मांग एवं आपूर्ति का समीकरण कुछ जटिल रहा सकता है। केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय ने 2024-25 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन (अक्टूबर-सितम्बर) के दौरान देश में 330 लाख टन चीनी के उत्पादन का अनुमान लगाया है जबकि दूसरी ओर 335 लाख टन के उपयोग की संभावना व्यक्त की है। इसमें 290 लाख टन चीनी की प्रत्यक्ष मानवीय (औद्योगिक सहित) खपत होने की उम्मीद है जबकि 45 लाख टन चीनी का इस्तेमाल इथनॉल निर्माण में हो सकता है। चालू मार्केटिंग सीजन के आरंभ में यानी 1 अक्टूबर 2024 को स्वदेशी उद्योग के पास 79 लाख टन (सरकारी अनुमान) चीनी का पिछला बकाया स्टॉक मौजूद था जिसमें से अगले तीन माह की खपत की योग्य 60 लाख टन की आवश्यक मात्रा को घटाने के बाद 19 लाख टन का अधिशेष स्टॉक बचेगा। मांग को पूरा करने के लिए इसमें से 5 लाख टन के स्टॉक का उपयोग किया जा सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीनी का घरेलू उत्पादन 2022-23 सीजन के 328 लाख टन से घटकर 2023-24 के सीजन में 320 लाख टन पर सिमट गया मगर गन्ना की अच्छी पैदावार के सहारे 2024-25 के सीजन में उत्पादन 10 लाख टन बढ़कर 330 लाख टन पर पहुंचने के आसार हैं। गन्ना का बिजाई क्षेत्र 11 हजार हेक्टेयर बढ़कर 57.68 लाख टन हेक्टेयर पर पहुंचा जबकि प्रमुख उत्पादक इलाकों में भरपूर मानसूनी बारिश होने से फसल की हालत काफी अच्छी है। चीनी के सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य- महाराष्ट्र में 15 नवम्बर से गन्ना की क्रशिंग आरंभ होगी और वहां उत्पादन में कुछ सुधार आने के आसार हैं। उपरोक्त आंकड़ों के अध्ययन- विश्लेषण के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार निकट भविष्य में चीनी के व्यापारिक निर्यात की अनुमति देने का जोखिम नहीं उठाना चाहेगी। मंत्रियों के पैनल ने चीनी के एक्सफैक्टरी न्यूनतम बिक्री मूल्य में बढ़ोत्तरी न्यूनतम बिक्री मूल्य में बढ़ोत्तरी के प्रस्ताव को भी स्थगित कर दिया है क्योंकि उसे लगता है कि खुदरा बाजार भाव काफी ऊंचे स्तर पर चल रहा है।

चीनी की 20 प्रतिशत पैकिंग जूट बोरियों में करने का निर्देश

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने देश भर की सभी चीनी मिलों को अपने कुल उत्पादन के कम से कम 20 प्रतिशत भाग की पैकिंग जूट (गन्नी) बोरियों में अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया है। केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय इस आशय का आदेश पहले ही जारी कर चुका है। सरकार ने कहा है कि इस निर्देश का पालन नहीं करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लेकिन इस बात का स्पष्ट खुलासा नहीं किया गया है कि दोषी चीनी मिलों के विरुद्ध किस तरह की कार्रवाई की जाएगी क्योंकि चीनी की पैकिंग के लिए जूट बोरियों की पर्याप्त उपलब्ध भी एक मुद्दा है।
केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय द्वारा सभी चीनी मिलों को भेजे गए एक पत्र में कहा गया है कि एतद द्वारा चीनी निर्माण इकाइयों को निर्देश दिया जाता है कि वे 2024-25 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन में उत्पादित चीनी के 20 प्रतिशत भाग की पैकिंग के लिए जूट बोरियों की खरीद का आर्डर दे और केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय द्वारा 1 अक्टूबर 2024 को जूट बोरियों में अनिवार्य पैकिंग के लिए जारी आदेश का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करें। पत्र में यह भी कहा गया है कि सभी चीनी मिलों को अक्टूबर 2024 से आगे उनके द्वारा दाखिल की जाने वाली मासिक रिटर्न में (पेज-2 शीट में) जूट पैकेजिंग की समस्त सूचना शामिल करनी होगी। इस तथ्य के महत्व का उल्लेख करते हुए खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि कपड़ा मंत्रालय का नवीनतम आदेश 26 सितम्बर को कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक खंड पीठ द्वारा दी गई व्यवस्था के बाद जारी किया गया। इस अदालत की एक पीठ ने 5 सितम्बर को एक आंतरिक आदेश जारी करते हुए 28 जून को केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय द्वारा जारी उस अधिसूचना पर 'स्टे' लगा दिया था जिसमें जूट बोरियों में 20 प्रतिशत चीनी की अनिवार्य पैकिंग का आदेश दिया गया था। लेकिन 26 सितम्बर को उच्च न्यायालय की खंड पीठ ने एकल जज द्वारा लगाए गए 'स्टे' को दर किनार करते हुए कपड़ा मंत्रालय की अधिसूचना को प्रभावी बना दिया। इसके बाद मंत्रालय ने पुनः 1 अक्टूबर को नया आदेश जारी किया और उसके आधार पर अब खाद्य मंत्रालय ने सभी चीनी मिलों को उस आदेश का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

महाराष्ट्र में गन्ना की क्रशिंग देर से शुरू करने की चेतावनी

पुणे। देश के सबसे प्रमुख चीनी उत्पादक प्रान्त- महाराष्ट्र के मिलर्स ने केन्द्र सरकार को आगाह किया है कि यदि चीनी के एक्सफैक्टरी न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में तत्काल बढ़ोत्तरी नहीं की गई और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए एथनॉल की खरीद का मूल्य नहीं बढ़ाया गया तो चालू मार्केटिंग सीजन के दौरान राज्य में प्राइवेट क्षेत्र की चीनी मिलों में गन्ना की क्रशिंग देर से शुरू हो सकती है। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में चीनी मिलों को 15 नवम्बर से गन्ना की क्रशिंग आरंभ करने की अनुमति प्रदान की है। वेस्टर्न इंडिया शुगर मिल्स एसोसिएशन (विस्मा) का कहना है कि गन्ना के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में प्रत्येक साल बढ़ोत्तरी की जा रही है जिससे चीनी का लागत खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। दूसरी ओर चीनी का एमएसपी वर्ष 2019 से ही स्थिर है और इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई है। विस्मा के प्रतिनिधियों द्वारा केन्द्र सरकार को एक अर्जेन्ट ज्ञापन दिया गया है जिसमें चीनी के एमएसपी में 7 रुपए प्रति किलो तथा एथनॉल के खरीद मूल्य में 5 से 7 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की मांग की गई है। विस्मा के प्रतिनिधियों ने सरकार से इन दोनों मांगों को 15 नवम्बर से पूर्व स्वीकार करने का आग्रह किया है ताकि गन्ना की क्रशिंग में बड़े पैमाने पर पड़ने वाले व्यवधान को टाला जा सके और गन्ना उत्पादकों को परेशानी से बचाया जा सके।
एसोसिएशन का कहना है कि सरकार के पास इस आशय का प्रस्ताव विचाराधीन था लेकिन उसे स्थगित कर दिया गया। यह चीनी उद्योग के लिए बड़ा आघात है। चीनी का एमएसपी अंतिम बार वर्ष 2019 में बढ़ाया गया था जबकि गन्ना का एफआरपी हरेक साल बढ़ाया जा रहा है। एसोसिएशन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में चीनी उद्योग का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहता है और यह दूसरा सबसे बड़ा सहायक उद्योग है जो लाखों किसानों एवं श्रमिकों की आजीविका का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। इसके बावजूद चीनी उद्योग को केन्द्र एवं राज्य सरकार को ओर से बहुत कम सहयोग-समर्थन मिलता है।

सामान्य कोटा आने से चीनी के दाम में नरमी की संभावना कम

नई दिल्ली। केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय ने नवम्बर 2024 के लिए 22 लाख टन चीनी का फ्री सेल मासिक कोटा घोषित किया है जो अक्टूबर के लिए नियत कोटा 25.50 लाख टन से 3.50 लाख टन कम है। अक्टूबर की तुलना में नवम्बर के लिए अधिकांश राज्यों के कोटे में कटौती की गई है जिसमें महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक जैसे शीर्ष उत्पादक प्रान्त भी शामिल है। चीनी का फ्री सेल कोटा महाराष्ट्र में 1.74 लाख टन, उत्तर प्रदेश में 1.09 लाख टन तथा कर्नाटक में 17 हजार टन घटाया गया है। इसी तरह चीनी के कोटे में बिहार में 14 हजार टन, गुजरात में 18 हजार टन, हरियाणा में 8 हजार टन, आंध्र प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में 6-6 हजार टन तथा उत्तराखंड में 5 हजार टन से अधिक की कटौती की गई है। केवल तमिलनाडु एवं राजस्थान में चीनी का फ्री सेल कोटा क्रमश: 8 हजार टन और 2 हजार टन बढ़ाया गया है।
बेशक त्यौहारी सीजन लगभग समाप्त हो चुका है मगर लग्नसरा एवं मांगलिक उत्सवों का सीजन आरंभ हो रहा है जिससे चीनी की मांग मजबूत रह सकती है। इसे देखते हुए कीमतों में नरमी की संभावना नगण्य रहेगी। सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य- महाराष्ट्र में प्राइवेट क्षेत्र की चीनी मिलों ने संकेत दिया है कि 15 नवम्बर की निर्धारित तिथि से गन्ना की क्रशिंग शुरू होने में संदेह है। मिलर्स ने वहां केन्द्र सरकार से चीनी के एक्स फैक्टरी न्यूतनम बिक्री मूल्य (एमएसपी) तथा तेल विपणन कंपनियों के लिए एथनॉल के खरीद मूल्य में बढ़ोत्तरी की मांग की है और इसके पूरा नहीं होने तक गन्ना की क्रशिंग शुरू होने में संदेह है। मिलर्स ने वहां केन्द्र सरकार से चीनी के एक्स फैक्टरी न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) तथा तेल विपणन कंपनियों के लिए एथनॉल के खरीद मूल्य में बढ़ोत्तरी की मांग की है और इसके पूरा नहीं होने तक गन्ना की क्रशिंग शुरू नहीं करने का निर्णय लिया है।

Sugar No. 11 CFD, 30, FOREXCOM 2,176.5 −1.0 (−0.05%)
Vol: The data vendor doesn't provide volume data for this symbol.
2,280.0
2,260.0
2,240.0
2,220.0
2,200.0
2,176.5
2,160.0
2,140.0
12:00
14
12:00
21
12:00
28
Nov
6
11

Sugar S Grade - Kolhapur Spot, 30, NCDEX 3,520.00 +10.00 (+0.28%)
Vol: The data vendor doesn't provide volume data for this symbol.
3,610.00
3,600.00
3,590.00
3,580.00
3,570.00
3,560.00
3,550.00
3,540.00
3,530.00
3,520.00
3,510.00
3,500.00
14
07:30
21
10:30
28
30
Nov
7
08:00
11

Sugar M Grade - Kanpur Spot, 30, NCDEX 3,620.00 +5.00 (+0.14%)
Vol: The data vendor doesn't provide volume data for this symbol.
3,710.00
3,700.00
3,690.00
3,680.00
3,670.00
3,660.00
3,650.00
3,640.00
3,630.00
3,620.00
3,610.00
3,600.00
14
07:30
21
23
28
Nov
7
11
06:00

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

बाजार भविष्य

★ चीनी उद्योग के लिए बड़ी खबर, अब नहीं देनी होगी स्टॉक की जानकारी।

★ गत वर्ष घटते स्टॉक को देख सरकार ने सितम्बर 2023 को चीनी उद्योग से जुड़े ट्रेडर्स, डीलर्स, होलसेलर्स, बिग चैन रिटेलर्स, प्रोसेसर्स को प्रति सप्ताह ऑनलाइन पोर्टल पर स्टॉक की जानकारी देने का सर्कुलर जारी किया था जिसे अब वापस लिया गया।

★ अब उपरोक्त सम्बंधित कारोबारियों को नहीं देनी होगी स्टॉक की जानकारी। गत वर्ष के साथ-साथ इस वर्ष चीनी उत्पादन अच्छा होने के साथ साथ निर्यात पर लगी बंदिशों से देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध। इस आदेश से चीनी उद्योग खुलकर काम कर सकेगा। महाराष्ट्र, कर्नाटक में चीनी उत्पादन घटने और उत्तर प्रदेश में बढ़ने की उम्मीद। निर्यात प्रतिबंधित होने के कारण बताया स्टॉक मजबूत। ISMA ने सरकार से चीनी निर्यात खोलने को कहा। इस वर्ष एथनोल में चीनी का आवंटन बढ़ने की उम्मीद। एथनोल डायवर्जन के बाद उत्पादन 293 लाख टन रहने की उम्मीद जो पिछले चीनी सीजन में 319.6 लाख टन था। 1 अक्टूबर से शुरू हुए सीजन की शुरुआत में बकाया स्टॉक 84.79 लाख टन बचा जो की घरेलू खपत के बाद पर्याप्त है।

★ डायवर्जन के बिना उत्पादन 333 लाख टन की उम्मीद, जो पिछले सीजन में 341 लाख टन था।

★ 2023-24 सीजन में खपत 290 लाख टन बताई गई।

★ ISMA के अनुसार 417.8 लाख टन उपलब्धता, 290 लाख टन खपत और 40 लाख टन डायवर्जन के बाद सीजन में अंत में 87.8 लाख टन का विशाल स्टॉक उपलब्ध होगा। महाराष्ट्र में 2024 सीजन में उत्पादन जो पिछले वर्ष 118.5 लाख टन था घटकर 111 लाख टन, कर्नाटक में मामूली घटकर 58.1 लाख टन और उत्तर प्रदेश में मामूली बढ़कर 110 लाख टन रह सकता है अन्य राज्यों में उत्पादन 53.8 लाख टन से सिमटकर 54.1 लाख टन रहने की उम्मीद। इस वर्ष भारत में चीनी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्धत रहेगा, निर्यात खोलने के जगह सरकार एथनोल बनाने को प्राथमिकता दे सकती है ताकि एथनोल ब्लेंडिंग का लक्ष्य पूरा हो सके। कुल मिलाकर बाजार पूरी तरह चीनी कोटा पर निर्भर रहेंगे, विशेष तेजी की उम्मीद कम।

★ महाराष्ट्र में गन्ना क्रशिंग में हो सकती है देरी। विस्मा में कहा कि अगर चीनी की MSP और इथेनॉल के भाव नहीं बढ़ाये गए तो मिलें देरी से कर सकती हैं गन्ना पेराई। महाराष्ट्र सरकार ने 15 नवंबर से पेराई शुरू करने के दिए निर्देश।

★ विस्मा ने कहा कि गन्ना के FRP पांचवी बार बढ़ाई गई, परन्तु चीनी की MSP 5 सालों से स्थिर।

★ गन्ना रस और चीनी से बने इथेनॉल के भाव में भी लंबे अरसे से नहीं बदले गए।

★ चीनी की MSP उत्पादन लागत 42-43 रुपए/किलो और इथेनॉल के भाव 5 रुपए बढाकर 73 रुपए/ लीटर किये जाने की मांग की गई।

★ एसोसिएशन ने कहा कि नियमों के अनुसार गन्ना भुगतान 15 दिनों के भीतर होना चाहिए, ऐसा न होने पर सरकार तुरंत मिलों के उच्चतम अधिकारीयों के खिलाफ क़ानूनी कार्यवाही करती है। अधिकतर मिलें नुकसान में चल रही है।

★ एसोसिएशन के अनुसार गन्ना क्रशिंग जितनी देरी से की जाएगी मिलों को भुगतान में उतनी सुविधा होगी।

ICE SUGAR & LIFFE SUGAR WEEKLY CLOSING REPORT				
IGRAIN INDIA DELHI 9350141815				
(04-11-2024 NIGHT CLOSE)	(05-11-2024 NIGHT CLOSE)	(06-11-2024 NIGHT CLOSE)	(07-11-2024 NIGHT CLOSE)	(08-11-2024 NIGHT CLOSE)
ICE SUGAR	ICE SUGAR	ICE SUGAR	ICE SUGAR	ICE SUGAR
MAR 21.93 -0.14	MAR 21.90 -0.03	MAR 22.03 +0.13	MAR 22.20 +0.17	MAR 21.82 -0.38
MAY 20.35 -0.15	MAY 20.31 -0.04	MAY 20.46 +0.15	MAY 20.67 +0.21	MAY 20.39 -0.28
LIFFE SUGAR	LIFFE SUGAR	LIFFE SUGAR	LIFFE SUGAR	LIFFE SUGAR
DEC 555.50 -2.50	MAR 556.50 -0.90	MAR 568.20 +1.70	DEC 562.90 +7.10	OCT 556.60 -6.30
MAR 567.40 -2.40	MAY 559.50 -0.90	MAY 562.30 +2.80	MAR 576.20 +8	DEC 569.20 -7
$ 84.11	$ 84.14	$ 84.26	$ 84.28	$ 84.37

Department of Consumer Affairs (Price Monitoring Division)
All India Daily Average Prices Of Cereals & Sugar

Daily Prices	Items	(Latest)	1 Month Ago	1 Year Ago	% Variation over	
		08/11/2024	08/10/2024	08/11/2023	1 Month	1 Year
All-India Retail Price (in □ /kg)	Rice	43.9	43.54	42.83	0.83	2.50
	Wheat	31.98	31.27	30.62	2.27	4.44
	Atta (Wheat)	37.02	36.23	36.04	2.18	2.72
	Sugar	45.03	44.85	44.56	0.40	1.05
All-India Consumer Wholesale Price (in □ /qtl)	Rice	3924.81	3895.91	3770.13	0.74	4.10
	Wheat	2891.99	2827.24	2726.7	2.29	6.06
	Atta (Wheat)	3302.71	3233.82	3160.79	2.13	4.49
	Sugar	4180.53	4170.69	4127.86	0.24	1.28

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

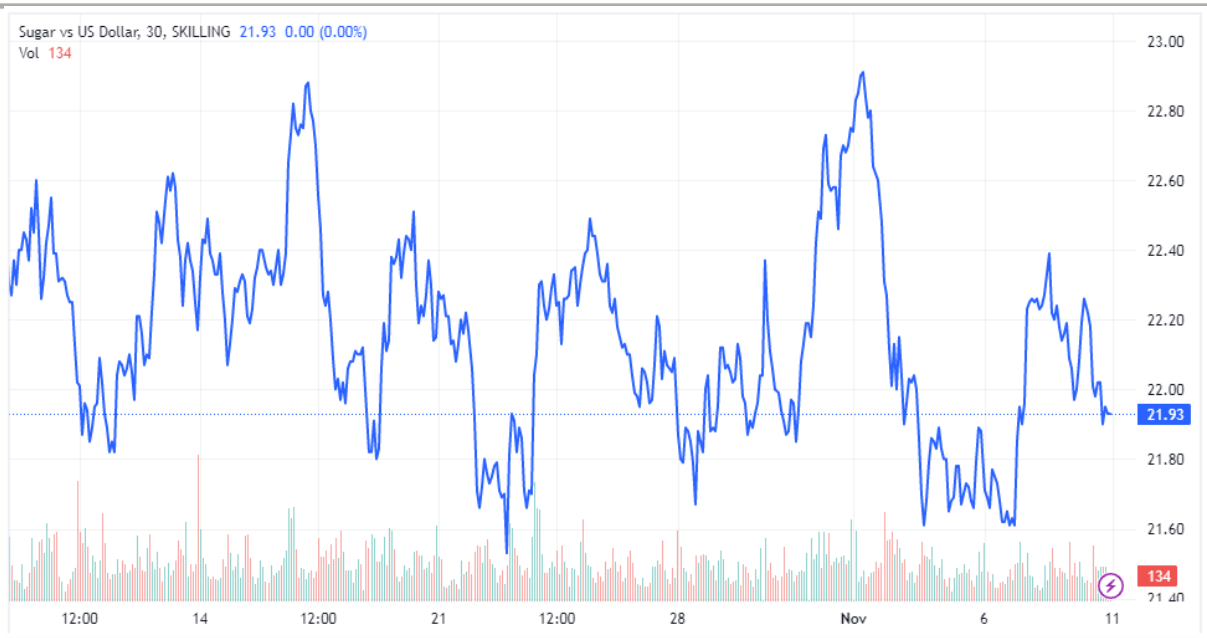

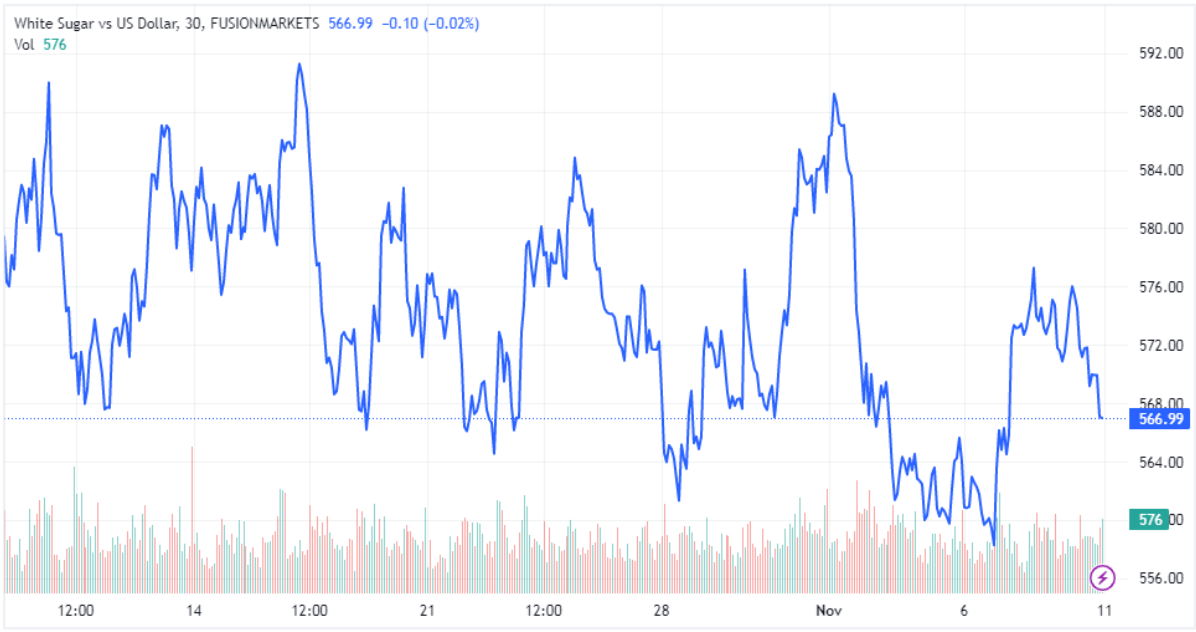

+91 9350141815 • igrainind@gmail.com

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

+91 9350141815 • igrainind@gmail.com

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

+91 9350141815 • igrainind@gmail.com